



प्रिलिम्स फैक्ट्स (21 Aug, 2020)

drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/21-08-2020/print

प्रिलिम्स फैक्ट्स: 21 अगस्त, 2020

मिलेनियम एलायंस

Millennium Alliance

हाल ही में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (The Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry- FICCI) द्वारा एक वेबिनार 'मिलेनियम एलायंस राउंड 6 & COVID-19 इनोवेशन चैलेंज अवार्ड्स' (Millennium Alliance Round 6 & COVID-19 Innovation Challenge Awards) का आयोजन किया गया।



प्रमुख बिंदु:

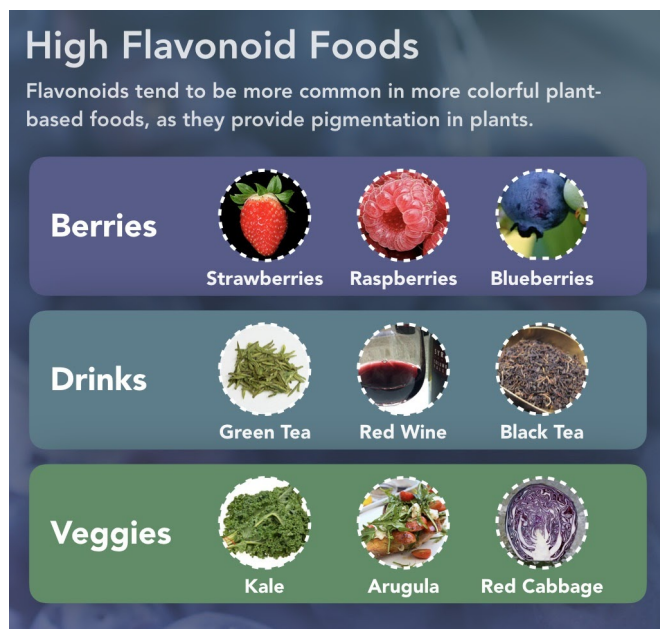
- मिलेनियम एलायंस (Millennium Alliance) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID), भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग परिषद (FICCI), यूनाइटेड किंगडम सरकार के
- अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (UK Government's Department for International Development- DFID), फेसबुक और मैरिको इनोवेशन फाउंडेशन (Marico Innovation Foundation) जैसे सार्वजनिक-निजी भागीदारों का एक संघ है।

- यह कार्यक्रम पिछले 6 वर्षों से चल रहा है और इसने भारतीय उद्यमों के लिये वित्त पोषण, क्षमता निर्माण एवं व्यवसाय विकास सहायता प्रदान करने में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है।
- मिलेनियम एलायंस इनिशिएटिव ने **49 आकांक्षी भारतीय सामाजिक उद्यमियों** को भारतीय एवं वैश्विक विकास चुनौतियों से निपटने हेतु उनके अभिनव समाधान के लिये 26.25 करोड़ रुपए देने की घोषणा की।
 - इनमें से 33 नवीनतम समाधान स्वास्थ्य, कृषि, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा, जल एवं स्वच्छता और विकलांगता पर ध्यान केंद्रित करेंगे।
 - शेष 16 समाधान यूनाइटेड किंगडम सरकार की सहायता (1.3 मिलियन अमरीकी डालर तक) से भारत एवं अफ्रीका/दक्षिण एशिया में वर्तमान COVID-19 संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपटेंगे।

फ्लेवोनॉइड अणु

Flavonoids Molecule

हाल ही में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Science & Technology- DST) के अधीन पुणे स्थित स्वायत्त संस्थान 'अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट' (Agharkar Research Institute -ARI) के वैज्ञानिकों ने तपेदिक एवं बिकनगुनिया के उपचार से संबंधित फ्लेवोनॉइड अणुओं (Flavonoids Molecule) के निर्माण के लिये पहला सिंथेटिक मार्ग खोजा है।



प्रमुख बिंदु:

रूगोसाफ्लेवोनॉइड (Rugosaflavonoids), पोडोकारफ्लेवोन (Podocarflavone) एवं आइसोफ्लेवोन (Isoflavone) जैसे फ्लेवोनॉइड अणु जिन्हें तपेदिक एवं चिकनगुनिया रोधी पाया गया है। अभी तक इन फ्लेवोनॉइड अणुओं को पौधों से पृथक किया जाता था।

कितु पहली बार वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में इन अणुओं को संश्लेषित करने के लिये मार्ग खोजा है, जिससे जिन औषधीय पौधों में इन्हें पाया जाता है, उनका अतिदोहन किये बगैर सभी मौसमों में इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये मार्ग प्रशस्त हुआ है।



'रूगोसाफ्लेवोनॉइड ए' (Rugosaflavonoid A) एक चीनी औषधीय पौधे रोज़ा रूगोसा (Rosa Rugosa) से प्राप्त किया जाता है। 'पोडोकारफ्लेवोन ए' (Podocarflavone A) को पोडोकार्पस मैक्रोफाइलस (Podocarpus Macrophyllus) पौधे से पृथक किया जाता है।

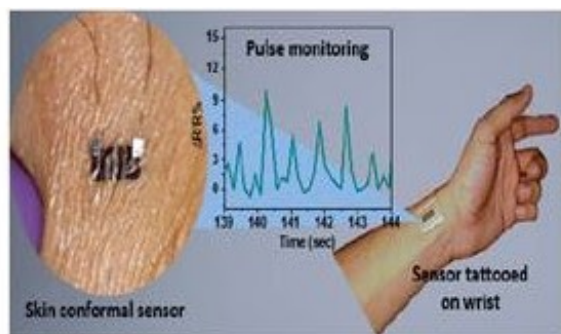


- अधिकतर आयुर्वेदिक उत्पाद फ्लेवोनॉइड्स से भरपूर होते हैं। फ्लेवोनॉइड ज्यादातर टमाटर, प्याज, सलाद पत्ता, अंगूर, सेब, स्ट्रॉबेरी, आड़ू एवं अन्य सब्जियों में मौजूद होते हैं।
 - फ्लेवोनॉइड्स से भरपूर आहार हार्ट, लीवर, किडनी, मस्तिष्क से संबंधित एवं अन्य संक्रामक रोगों से बचाता है।
 - वर्तमान में दुनिया COVID-19 के कारण एक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना कर रही है। चूँकि फ्लेवोनॉइड्स रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं इसलिये फ्लेवोनॉइड समृद्ध आहार का सुझाव दिया जाता है।
 - फ्लेवोनॉइड्स की रासायनिक संरचना महिला हार्मोन **17-बीटा-एस्ट्राडियोल (17-Beta-Estradiol)** या **एस्ट्रोजेन (Estrogen)** के समान ही है। इसलिये फ्लेवोनॉइड्स उन महिलाओं के लिये उपयोगी हो सकते हैं जो **प्रीमेनोपॉजल (Premenopausal)** चरण यानी रजोनिवृत्ति से पहले के चरण में समस्याओं का सामना करती हैं।
- फ्लेवोनॉइड्स को आमतौर पर पौधों से पृथक किया जाता है। हालाँकि प्राकृतिक उत्पादों में विसंगति विभिन्न मौसमों, स्थानों एवं प्रजातियों में हो सकती है। इन बाधाओं के साथ औषधीय पौधों का अत्यधिक दोहन पर्यावरण पर एक अतिरिक्त बोझ डालता है।
इन समस्याओं को दूर करने के लिये इस तरह के उत्पादों को सरल एवं लागत प्रभावी तरीकों से प्रयोगशाला में सिंथेटिक प्रोटोकॉल द्वारा विकसित किया जा सकता है। सिंथेटिक प्राकृतिक उत्पादों में प्राकृतिक उत्पाद के समान ही संरचना एवं औषधीय गुण होते हैं।

टैटू सेंसर

Tattoo Sensor

भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलुरु (Indian Institute of Science, Bangalore) के केंद्र नैनो विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (Centre for Nanoscience and Engineering- CeNSE) से जुड़े और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्थापित **इंसपायर फैकल्टी फेलोशिप (INSPIRE Faculty Fellowship)** प्राप्त करने वाले डॉ. सौरभ कुमार वीयेरेबल सेंसर (Wearable Sensors) या **टैटू सेंसर (Tattoo Sensor)** पर कार्य कर रहे हैं।



Skin conformal tattoo sensor for wearable application

प्रमुख बिंदु:

- इस सेंसर से त्वचा के ज़रिये शरीर से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी हासिल की जा सकती है।

- शोधकर्ताओं की टीम ने लगभग 20 माइक्रोन मोटी त्वचा के अनुरूप टैटू सेंसर का निर्माण किया है।
 - इस सेंसर के माध्यम से व्यक्ति के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पैरामीटर की निरंतर निगरानी की जा सकती है जैसे- पल्स दर, श्वसन दर एवं सरफेस इलेक्ट्रोमोग्राफी आदि।
 - ये सेंसर संवेदक श्वसन दर और पल्स दर के लिये एक एकल पाइपलाइन के रूप में कार्य करते हैं।
- डॉ. सौरभ कुमार का यह हालिया शोधकार्य रिसर्च जर्नल 'एससीएस सेंसर्स' (ACS Sensors) में प्रकाशित हुआ है।

उपयोग:

- त्वचा के अनुरूप इस सेंसर में गैर-आक्रामक एवं महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मापदंडों की निरंतर निगरानी करने की क्षमता है।
- इसमें स्वास्थ्य निगरानी के लिये भारी उपकरणों की जगह लेने की क्षमता है।
- ये सेंसर उपयोगकर्ता की दैनिक गतिविधियों में कोई अवरोध उत्पन्न नहीं करते हैं।
- यह सेंसर पल्स दर, श्वसन दर, यूवी रे एक्सपोजर, स्किन हाइड्रेशन लेवल, ग्लूकोज़ की निगरानी आदि महत्वपूर्ण संकेतों की निरंतर निगरानी में सक्षम है।

इन्वैशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च (INSPIRE):

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (Department of Science & Technology-DST) द्वारा शुरू किये गए INSPIRE कार्यक्रम के तहत विज्ञान में प्रतिभावान छात्रों को अवसर प्रदान करने का प्रयास किया जाता है।
- इस कार्यक्रम की शुरुआत 13 दिसंबर, 2008 को की गई थी।
- INSPIRE कार्यक्रम के तीन घटक हैं:
 - विज्ञान में प्रतिभा के शुरुआती आकर्षण हेतु योजना
 - उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति
 - शोध कार्य हेतु अवसर

नमथ बसई कार्यक्रम

Namath Basai Programme

जनजातीय बच्चों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाने के लिये केरल सरकार ने नमथ बसई कार्यक्रम (Namath Basai Programme) चलाया है।

प्रमुख बिंदु:

- 'नमथ बसई कार्यक्रम' को समग्र शिक्षा केरल (Samagra Shiksha Kerala- SSK) द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
- इस कार्यक्रम ने आदिवासी बच्चों के लिये घर पर ही शिक्षा की ज़रूरत को महसूस करके सैकड़ों आदिवासी बच्चों को उनकी ऑनलाइन कक्षाओं से जोड़े रखने में सफलता पाई है।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत SSK ने विशेष रूप से 50 लैपटॉप वितरित किये हैं।
- प्री-रिकॉर्डेड कक्षाएँ एक YouTube चैनल के माध्यम से संचालित की जाती हैं।

- केरल के अट्टापडी में 192 बस्तियों के अधिकांश आदिवासी बच्चों को इन कक्षाओं से जोड़ा गया है।
- अट्टापडी में तीन जनजातीय भाषाओं में कक्षाएँ दी जा रही हैं। इनमें इरुला भाषी बच्चों की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद मुडुका (Muduka) एवं कुरुम्बा (Kurumba) भाषा का स्थान है।
- 'नमथ बसई' को केरल के वायनाड एवं इडुक्की ज़िले के आदिवासी इलाकों में भी लागू किया जा रहा है। इडुक्की में ओराली (Oorali), मुतुवन (Mutuvan) एवं पनिया (Paniya) भाषाओं में कक्षाएँ दी जाती हैं।

गौरतलब है कि 'नमथ बसई' एक इरुला भाषी नाम है जिसका अर्थ होता है - 'हमारी भाषा'

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 अगस्त, 2020

सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

देश की एकता और अखंडता में योगदान के क्षेत्र में दिये जाने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मान सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के लिये ऑनलाइन नामांकन की प्रक्रिया की अवधि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। भारत सरकार ने सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर देश की एकता और अखंडता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये इस सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार का गठन किया है। यह पुरस्कार राष्ट्रीय एकता और अखंडता को प्रोत्साहन देने तथा मजबूत एवं अखंड भारत के मूल्यों को स्थापित करने के संबंध में प्रदान किया जाता है। धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्म-स्थान, आयु या व्यवसाय से इतर सभी नागरिक और संस्थान/संगठन इस पुरस्कार के लिये पात्र हैं। इस पुरस्कार के तहत एक पदक और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के तहत कोई भी मौद्रिक अनुदान या नकद पुरस्कार प्रदान नहीं किया जाता है। कोई भी भारतीय नागरिक या संस्थान/संगठन पुरस्कार के लिये किसी को भी नामित कर सकता है। साथ ही भारतीय नागरिक स्वयं को भी नामित कर सकते हैं। राज्य सरकार, केंद्र शासित प्रशासन और भारत सरकार के मंत्रालय भी इस पुरस्कार के लिये नामांकन भेज सकते हैं।

महाराष्ट्र में सैनिकों को ग्राम पंचायत संपत्ति कर से छूट

हाल ही में महाराष्ट्र के ग्रामीण विकास मंत्री हसन मुश्रीफ ने घोषणा की है कि महाराष्ट्र में सभी सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिकों को ग्राम पंचायत संपत्ति कर (Gram Panchayat Property Tax) से छूट दी जाएगी। महाराष्ट्र सरकार ने इस संबंध में एक सार्वजनिक प्रस्ताव भी जारी किया है। महाराष्ट्र में मौजूद नियमों के अनुसार, अब तक रक्षा वीरता पुरस्कार के प्राप्तकर्ताओं और उनके आश्रितों को एक आवासीय भवन के लिये ग्राम पंचायत संपत्ति कर से छूट प्रदान की गई थी। अब राज्य में इस नियम के दायरे को विस्तृत कर दिया गया है, जिससे राज्य के सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिक भी इसका लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस संबंध में घोषणा करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा कि यह निर्णय मुख्य तौर पर उन सैनिकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से लिया गया है, जो दिन-रात देश की रक्षा करते हैं।

सद्भावना दिवस

प्रत्येक वर्ष 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती सद्भावना दिवस (Sadbhavana Diwas) के रूप में मनाई जाती है। 40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले राजीव गांधी भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री थे और संभवतः दुनिया के उन युवा राजनीतिज्ञों में से एक हैं जिन्होंने किसी देश की सरकार का नेतृत्व किया है। राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को बंबई में हुआ था। भारत से अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त

करने के बाद राजीव गांधी लंदन के इम्पीरियल कॉलेज (Imperial College) चले गए, जहाँ उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वर्ष 1980 में एक विमान दुर्घटना में उनके भाई संजय गांधी की मृत्यु हो गई, और राजीव गांधी पर राजनीति में आने का दबाव बनाया जाने लगा। ध्यातव्य है कि उन्हें राजनीति से अधिक विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में दिलचस्पी थी। 31 अक्टूबर, 1984 को उनकी माँ इंदिरा गांधी की हत्या कर दी गई, जिसके बाद राजीव गांधी कांग्रेस अध्यक्ष एवं देश के प्रधानमंत्री बने। 21 मई, 1991 को चेन्नई से लगभग 50 किलोमीटर दूर श्रीपेरंबदूर (Sriperambudur) नामक गांव में राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी।

शास्त्रीय और लोक कला अकादमी- IIT खड़गपुर

हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान- खड़गपुर (IIT-Kharagpur) ने नई शिक्षा नीति, 2020 (New Education Policy) के प्रस्तावों को अपनाते हुए अपने परिसर में **शास्त्रीय एवं लोक कला अकादमी** की शुरुआत की है। गौरतलब है कि यह अकादमी संगीत, ललित कला और अन्य प्रदर्शन कलाओं में प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इस संबंध में आधिकारिक सूचना देते हुए संस्थान की प्रवक्ता ने कहा कि यह अकादमी युवाओं में प्रयोग एवं नवाचार के गुण विकसित करेगी। ध्यातव्य है कि बीते माह केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020' (National Education Policy- 2020) को मंजूरी दी थी। इस नई शिक्षा नीति में छात्रों में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है। इसी से प्रेरणा लेते हुए IIT-खड़गपुर ने अपने परिसर में शास्त्रीय एवं लोक कला अकादमी की शुरुआत की है। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षा की पहुँच, समानता, गुणवत्ता, वहनीय शिक्षा और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया है।
